

उमरिया तेरी धोखे में बीत गई

उमरिया तेरी धोखे में बीत गई,
ना लियोँ राम को नाम....

बालापन हर्ष खेल गमायो,
जवानी गई बुढ़ापा आयो,
जा तीरिया से नेह लगायो तेरे वो भी ना संग गई,
ना लियोँ राम का नाम.....

16-17 तेरी गई रे खेल में,
20 गई तेरी मध्य की जेल में,
30 40 तिरिया के खेल में 55 बीत गई,
ना लियोँ और राम का नाम.....

अब तो जाग पड़ा क्यों सोवे,
सोने से कछु काम ना होवे,
कर्म लिखी को कहां तक हो गए तेरी नाडी नाट गई,
ना लियोँ राम का नाम.....

स्याही जाए सफेदी आवे,,
तन की खाल सुकड़ सब जावे,
बंदर जैसा मुख हो जावे तेरी डगमग नाड हिली,
ना लियोँ राम का नाम.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29637/title/umariya-teri-dhokhe-me-beet-gayi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |